बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, पेण्डारी,
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका

खण्ड - 04 | अंक - 02 | अक्टूबर 2018 - मार्च 2019

निदेशक की कलम से .....

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका इस संगठन कार्यालय की अधीनस्थ इकाइयों, रेशम उत्पादक कृषकों एवं पणधारियों के बीच संवाद सेतु बनकर सामने आई है। वैसे तो इस संगठन कार्यालय के मुख्य क्रियाकलाप तसर संबंधी तकनीकी एवं गुणवत्ता युक्त रोगमुक्त अंडों (बीज) का उत्पादन कर सभी तसर उत्पादक राज्यों में इसकी आपूर्ति कर देश में निर्धारित रॉ सिल्क उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त करना जैसे कार्यों पर केन्द्रित रहते है। लेकिन विभिन्न राज्यों में फैले हुए 19 बुबीप्रवप्रकें/केतरेबीके के मुख्यालय होने के नाते उनके वैज्ञानिक तरीकों से बीजोत्पादन क्रियाकलापों से लेकर प्रशासनिक गतिविधियों के अनुवीक्षण की जिम्मेदारी भी होती है। संगठन कार्यालय सहित अधिकांश इकाइयां हिन्दी भाषी क्षेत्र में स्थित हैं तथा इन क्षेत्रों के पणधारियों व कृषकों को तकनीकी जानकारी राजभाषा में प्रदान करने के लिए यह पत्रिका बहुत ही उपयोगी सिद्ध हुई है। पत्रिका का यह अंक भी इस श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रकाशनाधीन अवधि में इस संगठन कार्यालय द्वारा किए कार्यों को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

उक्त अवधि में इस संगठन कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यक्रमों के अंतर्गत 02 हिन्दी कार्यशालाओं, 02 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों, अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक, राजभाषा चलशील्ड का वितरण, नराकास एवं बोर्ड की बैठक में सहभागिता की तथा राजभाषा विभाग द्वारा तैयार की गई विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकियों जैसे, लीला मोबाइल ऐप, प्रशासनिक शब्दावली ऐप, गूगल ट्रांसलेशन, फोंट परिवर्तक एवं यूनिकोड प्रवाचक, श्रुतलेखन एवं लीला प्रवाह आदि का भी प्रयोग करना सिखाया गया। केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची द्वारा आयोजित राष्ट्रीय राजभाषा सेमीनार में निदेशक प्रभारी सहित संगठन के 04 वैज्ञानिकों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इसके अलावा उक्त अवधि में तकनीकी क्षेत्रों में भी विभिन्न कार्यक्रम जैसे; वैज्ञानिकों की सक्षमता वृद्धि कार्यक्रम, तसर जागरूकता कार्यशाला, जागरूकता दिवस, प्रक्षेत्र दिवस, नए वैज्ञानिकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम भी यथा समय आयोजित किए गए। उक्त अवधि में भारत सरकार द्वारा समय–समय पर दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप विभिन्न कार्यक्रम जैसे; स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन, सतर्कता जारूकता सप्ताह, पीएफएमएस एवं जेम पोर्टल आदि पर भी प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। हिन्दी के अभिनव प्रयास के अंतर्गत प्रेरणात्मक व्याख्यान माला को प्रारंभ किया गया। उक्त अवधि में संगठन एवं अधीनस्थ केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कर्मचारियों के अथक प्रयास के परिणाम स्वरूप संगठन द्वारा वर्ष 2018-19 में 102% प्रतिशत बीज आपूर्ति लक्ष्य प्राप्त किया।

इस पत्रिका की गुणवत्ता एवं उपयोगिता के मूल्यांकन के आधार पर दिनांक 23-01-2019 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में इसके श्रेष्ठ एवं आकर्षक प्रकाशन हेतु तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। यद्यपि पत्रिका को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आप सभी सुधी पाठकों के बहुमूल्य सृजनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा। मैं इस पत्रिका के समय पर प्रकाशन हेतु हिन्दी अनुभाग को बधाई देता हूँ तथा सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके प्रकाशन में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग देने हेतु आभार व्यक्त करता हूँ। शुभाकामनाओं सहित।

डॉ. आर. बी. सिन्हा
निदेशक प्रभारी

बुतरेबीसं, बिलासपुर की अक्टूबर 2018 से मार्च 2019 तक की मुख्य उपलब्धियां

- बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन (बीटीएसएसओ) दस तसर उत्पादक राज्यों में स्थित 18 बुनियादी बीज प्रगुणन व प्रशिक्षण केन्द्रों (बीएसएमटीसी) एवं एक केन्द्रीय तसर रेशमकीट बीज केन्द्र (सीटीएसएसएस), कोटा को तसर रेशमकीट बीज में सहयोग हेतु निरन्तर कार्यरत है।
- इस दौरान 126.03 लाख बीज कोसे की प्रक्रिया की गई एवं 34.55 लाख रोग मुक्त चकत्ते (बुनियादी बीजः 17.14 लाख एवं नाभिकीय बीजः 17.41 लाख) का उत्पादन किया गया।
- दस तसर उत्पादक राज्यों में कुल 33.85 लाख रो.मु.च. की आपूर्ति की गई है।
- विभागीय कीटपालन के तहत 46.47 लाख बीज कोसे के उत्पादन के लिए 1.01 लाख रो.मु.च. का कीटपालन किया गया।
- अभिग्रहित कीटपालकों से 3.10 लाख रो.मु.च. कीटपालित किए गए जिससे 139.62 लाख कोसों का उत्पाादन किया गया।
- भागलपुर (बिहार), खरसवां (झारखंड), मधुपुर(झारखंड), केन्दुझर(ओडिशा), एवं अंबिकापुर (छ.ग.) एवं बालाघाट के क्लस्टरों में वन्य समूह उन्नयन कार्यक्रम (वीसीपीपी) किए गए।
- बुबीप्रवप्रकेन्द्रों चिन्नूर, काठीकुंड, बस्तर, भंडारा, नबरंगपुर एवं सीटीएसएसएस, कोटा 9001-2015 आईएसओ प्रमाण-पत्र प्रमाणित इकाइयां हैं।
- तसर रेशम कृषकों में सामान्य जागरूकता हेतु 04 रेडियो कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- बुतरेबीसं, बिलासपुर की अधीनस्थ इकाइयों द्वारा ग्राम के अभिग्रहित कृषकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।
- बुतरेबीसं, बिलासपुर ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में 6.88 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति की।

राजभाषा कार्यान्वयन

1. हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन :

बुतरेबीसं, बिलासपुर में दिनांक 26-12-2018 एवं 26-02-2019 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं के दौरान हिन्दी टिप्पणी लेखन, पत्राचार के विभिन्न स्वरूप, राजभाषा विभाग द्वारा विकसित सूचना प्रौद्योगिकी जैसे; प्रवाचक, श्रुतलेखन, लीला प्रवाह व हिन्दी फोंट परिवर्तक, प्रशासनिक शब्दावली ऐप एवं लीला मोबाइल ऐप की संस्थापना एवं प्रयोग आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशालाओं में क्रमशः डॉ. विनय कुमार पाठक, प्राध्यापक (सेवानिवृत्त) एवं श्री विक्रम सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी व सचिव नराकास, बिलासपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक :

संगठन कार्यालय में राजभाषा नीतियों के सफल कार्यान्वयन हेतु दिनांक 31-12-2018 व 28-03-2019 को डॉ. आर. बी. सिन्हा, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में बुतरेबीसं, बिलासपुर की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गयी।

3. अधीनस्थ केन्द्रों की समीक्षा बैठक :

दिनांक 05-12-2018 को डॉ. आर. बी. सिन्हा, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में बुतरेबीसं के अधीनस्थ केन्द्रों की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी छमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सभी केन्द्रों की पिछली दो तिमाहियों की प्रगति रिर्पोटों की समीक्षा की गयी।

4. राजभाषा चल शील्ड का वितरण :

दिनांक 05-12-2018 को आयोजित समीक्षा बैठक में " क व ख" क्षेत्र में राजभाषा नीतियों के श्रेष्ठ निष्पादन हेतु बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र , भंडारा को राजभाषा चलशील्ड एवं बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र , बस्तर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तथा "ग" क्षेत्र में राजभाषा नीतियों के श्रेष्ठ निष्पादन हेतु बुबीप्रवप्रके, केन्दुझर को राजभाषा चल शील्ड तथा नवरंगपुर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

5. केन्द्रीय रेशम बोर्ड की बैठक में सहभागिता :

दिनांक 06-12-2018 एवं 27-03-2019 को वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड की अध्यक्षता में आयोजित 129 व 130 वीं बैठक में संगठन कार्यालय ने सहभागिता की।

6. नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति की बैठक में सहभागिता :

दिनांक 23-01-2019 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वायन समिति, बिलासपुर की छमाही बैठक में संगठन के डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी एवं श्री फूल सिंह लोधी, कनिष्ठ अनुवादक हिन्दी ने भाग लिया।

अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर में दिनांक 05-12-2018 को अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन के निदेशक (प्रभारी) डॉ. आर. बी. सिन्हा ने 10 राज्यों में स्थित बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों के 19 केन्द्रों की तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी माँग, आपूर्ति, गुणवत्ता तथा आगामी वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों की कार्य योजना तैयार करने संबंधी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गयी तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी तकनीकों के प्रक्षेत्र में प्रयोग तथा उससे रेशम कृषकों को होने वाले लाभ एवं रोजगार की संभावनाएं आदि पर विस्तृत चर्चा की। इसके अलावा संगठन कार्यालय के अधीनस्थ केन्द्रों के अनुसंधान, वित्तीय, प्रशासनिक एवं राजभाषा हिन्दी की प्रगति की भी समीक्षा की गयी ।

वैज्ञानिकों की सक्षमता वृद्धि कार्यक्रम का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, बिलासपुर में दिनांक 06-12-2018 को 10 राज्यों में स्थित बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों व सीटीएसएसएस करगी रोड कोटा के तसर रेशमकीट बीज उत्पादन के अनुसंधान कार्यों में कार्यरत वैज्ञानिकों के लिए सक्षमता वृद्धि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बुतरेबीसं, बिलासपुर के निदेशक (प्रभारी) डॉ. आर. बी. सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर की। कार्यक्रम में केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची के निदेशक डॉ. आलोक सहाय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ पहले सत्र में निदेशक केतअनुवप्रसं,रांची ने उष्णकटिबंधीय तसर रेशमकीट रोग प्रबंधन पर तथा कार्यक्रम के दूसरे सत्र में संगठन के निदेशक प्रभारी ने उष्णकटिबंधीय तसर रेशमकीट व इसके परपोषी पौधों का पीड़क प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया तथा वैज्ञानिकों को रेशमकीट रोगों से निपटने हेतु आवश्यक सुझाव दिए। इसके अलावा डॉ. जे. पी. पाण्डेय ने उन्नत कीटपालन एवं बीजागार प्रबंधन पर, डॉ. एम. एस. राठौड़ ने उष्णकटिबंधीय तसर परपोषी पौधा प्रबंधन पर, डॉ. चन्द्र शेखरैय्या ने कीटनाशकों का महत्व तथा उनके मानक पर तथा श्री धीरेश ठाकुर एवं श्री एस एल साहू ने जेम पोर्टल (गर्वनमेंट ई – मार्केट) पर व्याख्यान दिया।

तसर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर के तत्वाधान व बुबीप्रवप्रके बिलासपुर के सहयोग से दिनांक 16-01-2019 को तसर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. आर. बी. सिन्हा, निदेशक प्रभारी बुतरेबीसं, बिलासपुर ने की तथा डॉ. राजेश बघेल, अतिरिक्त निदेशक रेशम निदेशालय, छत्तीसगढ़ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में तसर उत्पादन से संबंधित तकनीकियों एवं अनुसंधानों के बारे में विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए ताकि तसर उत्पादक कृषक अपने उत्पादन की गुणवत्ता एवं गुणात्मकता में और अधिक वृद्धि कर सके। कार्यशाला में रेशम उत्पादन विभाग, छत्तीसगढ़ के 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा तसर रेशम उत्पादन के संबंध में अपनी जिज्ञासाओं को दूर किया। कार्यशाला में रेशम उत्पादन विभाग, छत्तीसगढ़ के उपनिदेशक (रेशम) श्री ए. के. शर्मा, डॉ. सी. श्रीनिवास, वैज्ञानिक – डी एवं डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी भी उपस्थित रहें। अधीनस्थ केन्द्रों में भी तसर जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

सर्तकता जागरूकता कार्यक्रम

बुतरेबीसं, बिलासपुर एवं इसकी अधीनस्थ इकाइयों में दिनांक 29-10-2018 से 03-11-2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2018 का आयोजन डॉ. आर. बी. सिन्हा , निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ ग्रहण की तथा संगठन कार्यालय एवं सभी कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन प्रतिज्ञा प्रमाण पत्र जारी किया। सप्ताह के दौरान दिनांक 30-10-2018 को सतर्कता जागरूकता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद दिनांक 02-11-2018 को नजदीकी ग्राम पेण्डारी के शासकीय पूर्व माध्यामिक विद्यालय के छात्रों को सतर्कता जागरूकता संबंधी जानकारी देने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें लगभग 110 छात्रों ने सहभागिता की उक्त अवसर पर संगठन के निदेशक प्रभारी ने बच्चों से भ्रष्टाचार जैसी बुराईयों से सर्तक रहने एवं भ्रष्टाचार का विरोध करने संबधी जानकारी दी।

प्रेरणात्मक व्याख्यानमाला

संगठन कार्यालय में राजभाषा हिन्दी के अभिनव प्रयास के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को एक घंटे की प्रेरणात्मक व्याख्यान माला आयोजित की जा रही है जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राजभाषा हिन्दी में अपने विचार व्यक्त करने एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न सामाजिक, समसामयिक, कार्यालयी एवं जीवनोपयोगी विषयों पर पावर प्वाइंट के माध्यम से व्याख्यान दिया जाता है। प्रकाशनाधीन अवधि में श्री राहुल मालवीय, सहायक अधीक्षक (प्रशासन) ने भ्रष्टाचार पर, श्री प्रभात रंजन दत्त, सहायक अधीक्षक (प्रशासन) ने अनेकता में एकता पर, श्री ओ. एन. शर्मा, सहायक निदेशक (प्रशासन व लेखा) ने स्वास्थ्य एवं व्यायाम तथा श्री एल. डी. धीराहे, सहायक अधीक्षक (प्रशासन) ने लोकतंत्र में चुनावों का महत्व विषयों पर व्याख्यान दिए।

गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

बुतरेबीसं, कार्यालय के परिसर में दिनांक 26 जनवरी, 2019 को प्रातः 9 बजे से गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. आर. बी. सिन्हा, निदेशक प्रभारी ने झंडा वदंन किया तथा गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बुतरेबीसं, बिलासपुर, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर एवं आंचलिक कार्यालय, केरेप्रौअसं, बिलासपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

एक दीया शहीदों के नाम

दिनांक 06-11-2018 को दीपावली की पूर्व संध्या पर एक दीया शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें देश पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों की याद में दीया जलाकर उनको श्रद्धांजलि दी गई।

राष्ट्रीय राजभाषा तकनीकी सेमीनार में सहभागिता

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची द्वारा दिनांक 06-02-2019 को आयोजित राष्ट्रीय राजभाषा तकनीकी सेमीनार "तसर रेशम उद्योग का समग्र विकास" में संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. आर. बी. सिन्हा ने "तनाबेधक ऐलोस्थेस होलोसेरीसीआ एफ. के जीवन चक्र का अध्ययन व तसर संवर्धन में इसके नियंत्रक उपाय" पर तथा डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़, वैज्ञानिक – सी ने "तसर पर-पोषी पादप प्रक्षेत्र में हरी खाद का उपयोग एवं वर्षा जल का संरक्षण" विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

पुरस्कार

दिनांक 23-01-2019 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक में संगठन कार्यालय की तसर रेशमकीट बीज पत्रिका को श्रेष्ठ प्रकाशन हेतु नराकास का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया जिसके अंतर्गत सचिव नराकास ने डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक – सी को एक हजार रू की राशि का चेक प्रदान किया।

वैज्ञानिकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

बुतरेबीसं, बिलासपुर में नवनियुक्त वैज्ञानिकों के लिए 03 दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. आर. बी. सिन्हा, निदेशक प्रभारी ने वैज्ञानिकों को तसर रेशम उत्पादन के विभिन्न आयामों पर तकनीकी जानकारी प्रदान करते हुए तसर उत्पादन, रोग एवं पीड़क प्रबंधन, रेशम की गुणवत्ता के बारे में तथा डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक-सी ने मृदा स्वास्थ्य एवं जैविक खाद के उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान की जिससे रेशम उत्पादन की गुणवत्ता तथा रेशम कृषकों की आय में वृद्धि की जा सके। इसके अलावा वैज्ञानिकों को वित्त, प्रशासन एवं राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी जानकारी भी प्रदान की गयी।

स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर में डॉ. आर. बी. सिन्हा , निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में दिनांक 01-03-2019 से 15-03-2019 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े की शुरूआत दिनांक 01-03-2019 को सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ लेकर की। इसके बाद दिनांक 07-03-2019 को स्वच्छता संबंधी लिखित प्रतियोगिता आयोजित की गयी तथा दिनांक 08-03-2019 को शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, पेंडारी के छात्रों को स्वच्छता संबंधी सामग्री वितरित की गई, दिनांक11-03-2019 को प्रश्नोत्तरी, कार्टून एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 12-03-2019 को अपोलो अस्पताल के विशेषज्ञों द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, परसदा के छात्रों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया एवं दिनांक 14-03-2019 को स्वच्छता एवं पर्यावरण विषय पर प्रो. जी. डी. शर्मा, माननीय कुलपति अटलबिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनांक 15-03-2019 को स्वच्छता पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्रो. रवि प्रकाश दुबे, कुलपति, डॉ. सी. व्ही. रामन विश्वविद्यालय, करगी कोटा, बिलासपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर निदेशक प्रभारी एवं मुख्य अतिथि महोदय के कर कमलों से प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

जेम (GEM) पोर्टल एवं पीएफएमएस (PFMS) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बुतरेबीसं, कार्यालय में भारत सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान को ध्यान में रखते हुए दिनांक 18-03-2019 से 19-03-2019 तक जेम (गर्वनमेंट ई मार्केट) तथा लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के प्रयोग करने संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. आर. बी. सिन्हा, निदेशक प्रभारी ने विभिन्न अधीनस्थ इकाइयों से आए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जेम (गर्वनमेंट ई मार्केट) तथा लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के बारे में जानकारी देते हुए शासकीय कार्य हेतु सामग्रियों का क्रय करने हेतु जेम पोर्टल का उपयोग करने तथा नगदी रहित लेनदेन की संकल्पना को मजबूत करने के लिए लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) का प्रयोग करने का आग्रह किया। इसके अलावा संगठन कार्यालय के सहायक निदेशक (कम्प्यूटर) व अन्य कर्मचारियों ने प्रतिभागियों को जेम (गर्वनमेंट ई मार्केट) पोर्टल तथा लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) का प्रयोग करने के बारे में प्रशिक्षण देकर अभ्यास कराया।

संगठन कार्यालय में वेब रिपोर्टिंग की शुरूआत

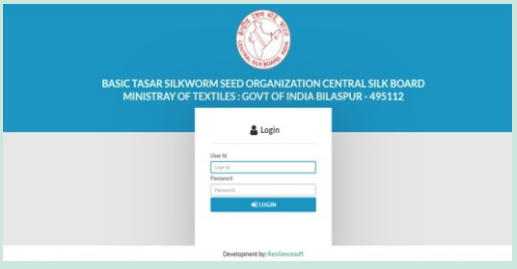

संगठन कार्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी की नई पहल करते हुए अधीनस्थ इकाइयों द्वारा किए गए तकनीकी कार्यों जैसे, बीजागार, कीटपालन एवं केन्द्रों द्वारा बेचे गए रोग मुक्त चकत्तों एवं कोसों के डीसीबी से संबंधित दैनिक आधार पर आंकड़े प्रस्तुत करने हेतु वेब रिपोर्टिंग की शुरूआत की गयी। इस संबंध में संगठन कार्यालय द्वारा वर्ष 2019-2020 हेतु www.btssowebreport.com वेबसाइट को लांच किया गया।

आज का शब्द एवं विचार की शुरूआत

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में नई पहल करते हुए संगठन कार्यालय के व्हाटसऐप ग्रुप पर द्विभाषी रूप में आज का शब्द एवं आज का विचार प्रसारित किया जा रहा है। जिससे संगठन कार्यालय के साथ ही साथ अधीनस्थ इकाइयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिदिन हिन्दी में एक शब्द एवं महान व्यक्तियों के विचार जानने में मदद हो रही है।

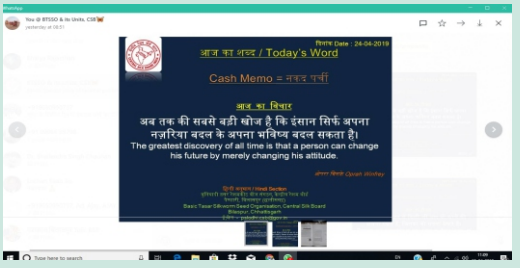

अधीनस्थ केन्द्रों से प्राप्त संक्षिप्त रिपोर्ट

1.बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, खरसावां

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, खरसावां द्वारा किसानों के लिए तसर रेशम से संबधित तकनीकी प्रशिक्षण के अंतर्गत जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम, आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनांक 27-011-2018 को सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा केन्द्र का दौरा किया तथा तसर उत्पाादक कृषकों को संबोधित किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रति किसान की कुल आमदनी प्रति 100 रोग मुक्त चकत्तों से रूपये 15,000-20,000 रही।

2. बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, केंदुझर

सदस्य सचिव, केरेबो, बेंगलुरू ने बुबीप्रवप्रके, केन्दुझर में दिनांक 08-01-2019 को ओडिशा राज्य में तसर उत्पादन का अवलोकन करने तथा उपयोगिता जानने के लिए दौरा किया तथा भागामुंडा में सिल्क पार्क का अवलोकन किया एवं धागाकरण, कताई एवं बुनकरों की गतिविधियों से प्रभावित होकर उन्होंने डॉस और क्षेत्रीय कार्यालय के वैज्ञानिकों से सरकार की सभी योजनाओं के कार्यान्वयन संबंधी समस्याओं पर चर्चा की।

3. बुबीप्रवप्रके, भागलपुर में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन :

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, भागलपुर में दिनांक 24.10.2018 से 30.10.2018 तक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 90 कृषकों ने सहभागिता की। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषकों को तसर रेशम उत्पादन के विभिन्न आयामों पर प्रशिक्षित किया गया।

4. बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, किराई , सुंदरगड़ (ओड़िशा)

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, किराई ,सुंदरगड़ (ओड़िशा) द्वारा अभिगृहीत किसानों को प्रशिक्षण के दौरान जागरूक किया जाता है ताकि अधिक से अधिक किसान तसर की खेती कर अपनी आय को बढ़ा सकें। इस वर्ष प्रति किसान की कुल आमदनी रूपये 18,000-20,000 तक रहीं।

5. बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बालाघाट

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बालाघाट में दिनांक 10-12-2018 से 16-12-2018 तक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 15 कृषकों को तसर कीटपालन संबंधी विभिन्न आयामों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

सफलता की कहानी

तसर रेशम कीट पालक श्री गौतम महातो की कहानी उन्ही की जुबानी

पश्चिम बंगाल में बंकुरा जिले के रानीबांध ब्लाक के रखडंगा गांव निवासी श्री गौतम माहातो ने बर्ष 1996 से एक प्रगतिशील तसर कीटपालक के रूप में काम शुरु किया है। श्री माहातो ने क्षमता निर्माण प्रशिक्षण (सी.बी.टी.) कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 09.03.2015 से 15.03.2015 तक बु.बी.प्र व प्र. के, पटेलनगर में वैज्ञानिक रुप से तसर कीटपालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इस प्रशिक्षण के बाद उन्होंने वैज्ञानिक रूप से तसरकीट पालन शुरु किया एवं इससे लाभ कमाया। श्री माहातो के परिवार में 07 सदस्य है एवं सभी लोग तसर कीट पालन कार्य में लगे हुए हैं वे हर साल बीज कोसों के लिये 1500 अंडे एवं वाणिज्य क फसलों के लिये 1000 रोग मुक्त चकत्तों का कीट पालन करते हैं।

श्री गौतम माहातो का विगत 03 साल का कीटपालन एवं उत्पादन का विवरण निम्नानुसार है।

क्रमांक	बर्ष	अंडा (बीज)	अंडा (व्यावसायिक)	बीज कोसा	व्यावसायिक	बीज (रु)	व्यावसायिक
1	2015-16	1500	1000	110000	110000	210000	210000.00
2	2016-17	1600	900	120000	100000	240000	200000.00
3	2017-18	1400	1100	110000	105000	220000	210000.00

श्री माहातो ने उनके गांव में जितने तसर कीट पालक हैं उनकों वैज्ञानिक रुप से तसर कीटपालन हेतु प्रोत्साहन/ प्रशिक्षण दिया जिससे उन लोगों को बहुत लाभ हुआ है।

रिपोर्ट : वैज्ञानिक – डी, बुबीप्रवप्रके, पटेलनगर, पश्चिम बंगाल

मीडिया कवरेज

प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय एवं अधीनस्थ इकाइयों द्वारा किए गए कार्यक्रमों को स्थानीय अखबारों में प्रकाशित किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है।

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत स्वच्छता रखने हेतु प्रोत्साहित करता है।

सेवानिवृत्ति	कार्य ग्रहण
श्री एस. के. पटनायक, वैज्ञानिक – डी, बुबीप्रवप्रके, सुन्दरगढ़ (31-10-2018)	डॉ. हसनसाब नदाफ, वैज्ञानिक - सी, बुतरेबीसं, बिलासपुर (03-01-2019)
डॉ. ए. यू. खान, वैज्ञानिक – डी, बुबीप्रवप्रके, काठीकुण्ड (30-11-2018)	डॉ. विशाका जी. वी., वैज्ञानिक - बी, बुतरेबीसं, बिलासपुर (03-01-2019)
श्री ए .के. गोस्वामी, अधीक्षक (प्रशासन) बुबीप्रवप्रके, मधुपुर (30-11-2018)	श्री अब्दुल लतीफ कुरैशी, अधीक्षक (प्रशासन), बुतरेबीसं, बिलासपुर (03-01-2019)
श्री जयदेव सिंह राय, तकनीकी सहायक, बुबीप्रवप्रके, पटेलनगर (31-12-2018)	डॉ. बी. डी. मदन, वैज्ञानिक – बी, बुबीप्रवप्रके, सुन्दरगढ़ (03-01-2019)
श्री रजनेती महतो, तकनीकी सहायक, बुबीप्रवप्रके, भागलपुर (31-12-2018)	श्री सेलवराज, वैज्ञानिक –बी, बुबीप्रवप्रके, मधुपुर (03-01-2019)
श्री निराकार होता, सहायक तकनीशियन, बुबीप्रवप्रके, केंदुझर (31-1-2019)	श्री एस. एम. मजूमदार, वैज्ञानिक – बी, बुबीप्रवप्रके, काठीकुण्ड (03-01-2019)
श्री जयप्रकाश राव, एमटीएस, बुबीप्रवप्रके, मधुपुर (31-01-2019)	डॉ. एस. एस. मोहनराज, वैज्ञानिक –बी, केतरेबीके, कोटा (04-01-19)
श्री सत्यनारायण प्रसाद, तकनीकी सहायक, बुबीप्रवप्रके, अंबिकापुर (31-01-2019)	श्री बी. टी. रेड्डी, वैज्ञानिक –बी, बुबीप्रवप्रके, खरसवां (04-01-19)
श्री ओ. एन. शर्मा, सहायक निदेशक (प्र. व ले.), बुतरेबीसं, बिलासपुर (28-02-2019)	**आकस्मिक निधन**
श्री श्यामल कुमार चौधरी, तकनीकी सहायक बुबीप्रवप्रके, पटेलनगर (28-02-2019)	डॉ. ए. के. सिंह, वैज्ञानिक –डी, बुबीप्रवप्रके, भागलपुर (23-02-2019)
डॉ. मो. मजहर आलम, वैज्ञानिक –सी, बुबीप्रवप्रके, मधुपुर (31-03-2019)	

संरक्षण एवं प्रकाशन	प्रधान संपादक	संकलन व संपादन	तकनीकी सहयोग
डॉ. आर. बी. सिन्हा निदेशक (प्रभारी)	डॉ.एम.एस. राठौड़, वैज्ञानिक - सी डॉ. चन्द्रशेखरैय्या., वैज्ञानिक - बी	श्री फूल सिंह लोधी कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी)	डॉ. हसनसाब नदाफ, वैज्ञानिक – सी डॉ. विशाका,जी. वी., वैज्ञानिक – बी श्री के. के. मोदक, तकनीकी सहायक श्री बैद्यनाथ मिश्रा, तकनीकी सहायक

© प्रकाशकः निदेशक प्रभारी, बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार), प्रथम तल, पेण्डारी, पोस्ट ऑफिस- भरनी, व्हाया- गनियारी, बिलासपुर-495112(छत्तीसगढ़), दूरभाषः 07752-291738, 291735 फैक्स : 07752-291735
ई-मेलः btssobil.csb@nic.in, वेबसाइट : www.btsso.org